वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 92 | शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष बने...

पार्टी ने प्रदेश प्रभारी भी बदला; उप चुनाव से पहले संगठन में बड़ा बदलाव

जयपुर. कासं

राजस्थान में होने वाले उप चुनाव से पहले भाजपा संगठन ने प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी को बदल दिया है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ नए प्रदेशाध्यक्ष होंगे। वहीं अरुण सिंह की जगह सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल प्रदेश प्रभारी बनाए गए हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही सांसद सीपी जोशी ने केन्द्रीय नेतृत्व से मिलकर प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। राठौड़ 5 महीने पहले ही राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। अब पार्टी ने उन्हें प्रदेश बीजेपी की नई जिम्मेदारी सौंप दी है। पार्टी ने मदन राठौड़ को अध्यक्ष बनाकर मूल ओबीसी के अपने वोट बैंक को ओर मजबूत किया हैं। राठौड़ को पीएम नरेंद्र मोदी का करीबी भी माना जाता हैं।

विधानसभा में पार्टी ने नहीं दिया था टिकट

मदन राठौड़ पाली की सुमेरपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे। 2013 से 2018 में सरकारी उप मुख्य सचेतक भी रहे हैं। उन्हें संगठन का भी लंबा अनुभव हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। जिसके बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली थी। हालांकि उस वक्त उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन करके काम करते रहने को कहा था। कुछ महीने बाद ही उन्हें राज्यसभा में भेज दिया गया। वहीं अब प्रदेश बीजेपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पीएम मोदी के नजदीकी हैं मदन राठौड़

मदन राठौड़ पीएम मोदी के पुराने परिचित हैं। लंबे समय से संगठन में सक्रिय राठौड़ ने बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ काम किया हैं। जनसंघ से लेकर बीजेपी की यात्रा के साक्षी रहे हैं। बीजेपी की पुरानी और नई पीढ़ी दोनों के साथ काम करने का अनुभव रखते हैं। राठौड़ मूल ओबीसी में घांची जाति से हैं। मदन राठौड़ के बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त होने पर सीएम भजनलाल शर्मा ने भी उन्हें बधाई दी हैं। सीएम ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- निःसंदेह, आपके ऊजार्वान नेतृत्व और कुशल मार्गदर्शन में भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ प्रदेश में सफलता के नवीन मानक स्थापित करेगी। मैं प्रभु श्रीराम से आपके उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए मंगलमय कामना करता हूं। बीजेपी के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी मदन राठौड़ को बधाई दी। जोशी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अब सियासी मोर्चे पर राठौड़ और डोटासरा होंगे आमने-सामने

वसुंधरा राजे के दूसरे कार्यकाल में मदन राठौड़ विधानसभा में बीजेपी के उप मुख्य सचेतक और कालू लाल गुर्जर सरकारी मुख्य सचेतक थे। मदन राठौड़ सदन में खूब सक्रिय रहते थे। उस दौरान कांग्रेस के केवल 21 विधायक थे। गोविंद सिंह डोटासरा कांग्रेस विधायक दल के सचेतक थे। डोटासरा विधानसभा में सरकार पर खूब हमलावर रहते थे, मदन राठौड़ उन्हें कई बार काउंटर करते थे, खूब वार पलटवार होते थे। डोटासरा मंत्रियों पर खूब सवाल उठाते थे, टोकते थे। मदन राठौड़ मजाकिया लहजे में डोटासरा पर तंज कसते हुए कहते थे आप तो टोकासरा हो। पहले डोटासरा और मदन राठौड़ अपनी पार्टियों के सचेतक और उप सचेतक के नाते विधानसभा में एक-दूसरे पर वार पलटवार करते थे। अब राठौड़ बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बन गए हैं, डोटासरा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हैं, दोनों अब सियासी मोर्चे पर आमने-सामने होंगे।

मदन राठौड़ बोले- पार्टी का सिपाही हूं, पांचों सीटों पर उप चुनाव में जीतेंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत में मदन राठौड़ ने कहा कि मैं पार्टी का सिपाही हूं। सिपाही की खुद की कोई इच्छा नहीं होती, उसे किस मोर्चे पर तैनात किया जाता है, उसका ही धर्म होता है कि वह वहां अपनी भूमिका बखूबी निभाए। मैं पार्टी को हर मोर्चे पर मजबूत करने में अपनी भूमिका मजबूती से निभाऊंगा। केंद्रीय नेतृत्व ने मुझ जैसे कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी दी है। पार्टी की मजबूती और जनता के बीच लोकप्रियता ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सरकार और संगठन समन्वय से राजस्थान की जनता की सेवा करेंगे। राठौड़ ने कहा कि हम उप चुनाव में पांचों सीटों (दौसा, उनियारा, झुंझुनूं, चौरासी, खींवसर) पर जीत दर्ज करेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल बने प्रदेश प्रभारी

पार्टी ने उप चुनावों से पहले प्रदेश प्रभारी की भी नियुक्ति कर दी है। उत्तरप्रदेश से राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ राधामोहन दास अग्रवाल को राजस्थान का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है। अग्रवाल कर्नाटक के भी प्रदेश प्रभारी हैं।

महावीर नगर महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

सुशीला गोदिका अध्यक्ष रीना पांड्या मंत्री चुनी गई

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर नगर महिला मंडल कार्यकारिणी के चुनाव, चुनाव अधिकारी गिरीश बाकलीवाल एवंम रमेश सौगानी के सानिध्य में निविरोध संपन्न हुए नवीन कार्यकारिणी इस प्रकार रही। अध्यक्ष श्रीमती सुशीला गोदीका उपाध्यक्ष श्रीमती अनिला गंगवाल एवंम श्रीमती शशि सौगानी मंत्री श्रीमती रीना पाण्डया संयुक्त मंत्री, श्रीमती रेणु बाकलीवाल कोषाध्यक्ष श्रीमती उषा वैद सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रितु बडजात्या एवंम श्रीमती शिप्रा पाण्डया, संगठन मंत्री श्रीमती शोभा गंगवाल प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती मीनाक्षी सेठी। **कार्यकारिणी सदस्य:** श्रीमती स्वाति गोदीका, श्रीमती संगीता गंगवाल श्रीमती रेखा वेद श्रीमती प्रमिला ठोलिया श्रीमती सीमा दीवान श्रीमती कल्पना जैन श्रीमती कनक जैन श्रीमती ज्योति जैन श्रीमती अनीता जैन श्रीमती सुशीला छाबड़ा श्रीमती पिंकी गोधा श्रीमती किरन जैन श्रीमती रुचि ठोलीया श्रीमती पूजा जैन श्रीमती स्मिता जैन। अंत में मंत्री श्रीमती रीना पांड्या ने चुनाव अधिकारी को निविरोध चुनाव संपन्न कराने हेतु पूरी कार्यकारणी की और से आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा एक साथ तीन सेवा कार्यक्रमों का अयोजन किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

स्थापना दिवस माह एवं स्वर्ण जयंती वर्ष के निमित इस माह 50 सेवा प्रकल्प एवं कार्यों की श्रृंखला में महावीर इंटरनेशनल द्वारा एक साथ तीन सेवा कार्यक्रमों का अयोजन। जरूरतमंद को भोजन, झिजक छोड़ो चुप्पी तोड़ो अभियान के तहत सेनेटरी नेपकिन वितरण एवं पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र द्वारा स्वर्णिम वर्ष निमित विशेष सेवा कार्यक्रम में जरूरतमदों हेतु भोजन सेवा प्रकल्प की श्रृंखला में महावीर इंटरनेशनल, उदयपुर के युवा अध्यक्ष सुनील गांग के सुपुत्र नवीन वर्चुअल सदस्य सौम्य गांग के जन्मदिवस पर थियोसोफिकॉल सोसाइटी, चौगान मंदिर के सामने, शिक्षा भवन चौराहा, उदयपुर में निवासरत 55 दिव्यांग एवं सामान्य बच्चो के साथ धूमधाम से मनाते हुवे सेवार्थी परिवारजन के सहयोग से मीठा भोजन कराया गया, साथ ही झिजक छोड़ो चुप्पी तोड़ो अभियान के तहत महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के वरिष्ठ सदस्य वीर पारस हिंगड़ के सहयोग से जरूरतमंद बच्चियों को 125 सेनेट्री नेपकिन पैकेट्स वितरित किए गए। आज के इस कार्यक्रम में प्राथमिक कक्षा के बच्चो एवं उच्च माध्यमिक कक्षा के बच्चो के दोनो ग्रुप में पर्यावरण संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम तीन तीन विजेता बच्चो को जांगिड़ ब्रदर्स से श्रीमती अंजना शर्मा द्वारा पुरुस्कार वितरण का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सचिव वीर रविन्द्र सुराणा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ट्रस्टी सदस्य वीर बी.एल.खमेसरा एवं विशिष्ठ अतिथि गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर सुशील कुमार सिंघवी का बच्चो को आशीर्वाद रहा। केंद्र से वीर अशोक खुर्दिया, वीर दौलत सिंह भंसाली, वीर डॉ. सुजान सिंह, वीरा स्नेहलता गांग, वीरा

शीलू सुराणा, वीरा कल्पना सिंघवी, वीरा कृष्णा भंडारी, वीरा स्वराज जैन, वीरा स्नेहलता साबला, वीरा सारिका भंडारी, वीरा शर्मिला मेहता, श्रीमती भाविनी वैष्णव, सुश्री कीर्तिका राजपूत, श्रीमती अंजली वैष्णव, सुश्री मेघना वीरवाल एवं समिति के कर्मचारियों का पूरा सहयोग रहा। केंद्र कि ओर से आप सभी का आभार एवं अभिनंदन।

आया सावन महान कर लो एक पौधा अपने नाम कार्यक्रम आयोजित

आगरा. शाबाश इंडिया। 25 जुलाई को हरियाली तीज का कार्यक्रम वात्सल्य सेवा समिति की अध्यक्षा रश्मि जैन के आवास अवधपुरी कॉलोनी पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, कार्यक्रम आयोजक रश्मि जैन के उपस्थित सभी सदस्यों को चंदन लगाकर हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। सभी महिलाएं हरे रंग के परिधान पहनकर कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा रही थी, तत्पश्चात उपस्थित सभी महिलाओं ने ढोलक की थाप पर मंत्र मुग्ध करने वाले सावन के गीत गाये उन गीतों पर एक से बढ़कर एक नाच किया और अपनी बारी का इंतजार कर झूले का भी लुफ्त उठाया। कार्यक्रम के मध्य में तंबोला खेला और हरियाली तीज प्रतियोगिता का किताब श्रीमती रिंकी जैन द्वारा जीता गयो इस मौके पर रश्मि जैन, करुणा जैन , उपासना जैन ,सुनीता जैन रागिनी जैन ,रीता जैन ,निशा जैन,रतिभा जैन, बबीता जैन, मोहिनी जैन ,कविता जैन अनीता शर्मा ,रेनू जैन, निशा जैन, आदि की उपस्थिति रही ।कार्यक्रम के उपरांत अध्यक्षा रश्मि जैन ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए अपने संदेश में कहा, आया सावन महान कर लो एक पौधा अपने नाम।

जियो थिंग्स और मीडियाटेक ने टू-व्हीलर बाजार में लॉन्च किए 4जी स्मार्ट एंड्रॉइड क्लस्टर और स्मार्ट मॉड्यूल

मुंबई

जियो थिंग्स लिमिटेड और मीडियाटेक ने ''मेड इन इंडिया'' 4जी स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और स्मार्ट मॉड्यूल लॉन्च किए हैं। जियो थिंग्स, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की सहायक कंपनी है, जो दोपहिया बाजार में बड़े बदलाव लाने के लिए मीडियाटेक के साथ मिलकर काम कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रेसिडेंट किरण थॉमस ने कहा, ''हम मीडियाटेक के साथ मिलकर मोबिलिटी उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं।'' ग्राहकों को 'जियो ऑटोमोटिव एप सूट' के माध्यम से कई सेवाएं मिलेंगी, जिसमें

जियो वॉइस असिस्टेंट, जियो सावन, जियो पेजेज, और जियो एक्सप्लोर शामिल हैं। जियो थिंग्स का स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर अवनि ओएस पर आधारित है, जो रियल टाइम डेटा एनालिटिक्स करता है और बेहतर कंट्रोल के लिए वॉयस पहचानता है। मीडियाटेक के कॉरपोरेट सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जेरी यू ने कहा, 'मीडियाटेक द्वारा संचालित 2-व्हीलर स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर पर जियो थिंग्स के साथ सहयोग आईओटी और ऑटोमोटिव दोनों क्षेत्रों में इनोवेशन को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।' भारतीय दोपहिया ईवी बाजार 2025 के अंत तक 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 30 लाख से अधिक वाहन सड़क पर होंगे।

बंधन ग्रुप की 2 दिवसीय प्रदर्शनी आज से मालवीय नगर सेक्टर 3 में

BANDHAN
LIFESTYLE EXHIBITION

जयपुर. शाबाश इंडिया

बंधन ग्रुप की 2 दिवसीय प्रदर्शनी राखी व लाइफ स्टाइल दिथिया प्रदर्शनी से दिनांक 26 व 27 जुलाई को दी जैन मंदिर सेक्टर 3 में आयोजित की जाएगी। बंधन ग्रुप और आयोजक सेफाली जैन, आकांशा जैन ने बाताया इस प्रदर्शनी का मकसद छोटे छोटे उद्योग को एक मंच प्रदान करना है की बार बंधन ग्रुप की इस महीने की दूसरी, प्रदर्शनी होगी। पहली प्रदर्शनी 19-20 जुलाई को फोर्ट रेस्टोरेंट मालवीय नगर आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी, 2 से 3 अगस्त को जय क्लब में प्रदर्शनी लगाई जायेगी। प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादों का संग्रह आपको एक साथ एक छत के नीचे मिलेगा। इस प्रदर्शनी में राखी, गृह सज्जा, कपड़े, उपहार वस्तुएं, हाथ से बनी वस्तुएं, आभूषण आदि शामिल हैं। प्रदर्शनी के मुख्य प्रदर्शक अलग-अलग जगहों से आ रहे हैं। गत वर्ष भी तीन जगह पर सफलता पूर्वक आयोजित की जा चुकी है।

जयकारों के बीच रवाना हुआ 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल

यात्री करेंगे भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में गुरुवार, 25 जुलाई को प्रातः भट्टारक जी की नसियां से भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ रवाना हुआ। यात्रियों को लेकर 2 वातानुकूलित बसें भट्टारक जी की नसियां से रवाना हुई। इससे पूर्व प्रातः नसियां स्थित मंदिर जी में सामूहिक देव दर्शन के बाद सूर्य प्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में विश्व के सब जीवों के कल्याण की कामना करते हुए मंगल प्रार्थना की गई। धार्मिक यात्रा के नेतृत्व के लिए संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, धार्मिक यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल, संयोजक सुरेश ठोलिया,प्रकाश गंगवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, विनोद जैन कोटखावदा, सलिल जैन, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मैना बाकलीवाल, राज कुमार बडजात्या, देवेन्द्र गिरधरवाल, जिनेन्द्र जैन, विक्रम जैन का समाज की ओर से गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने तिलक, दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। श्री जी की सामूहिक आरती के बाद यात्रा दल को भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राज कुमार कोठयारी एवं श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर के अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद ने अन्य गणमान्य श्रेष्ठीजनों के साथ जैन ध्वज दिखाकर रवाना किया इस मौके पर समाजश्रेष्ठी अशोक जैन नेता,महेश काला, प्रदीप जैन, मनीष बैद,सुभाष बज,सुधीर गंगवाल, नवीन जैन, सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने यात्रियों को शुभकामनाएं दी तथा बसों को जयकारों के

बीच रवाना किया। संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि यात्रा दल ने विज्ञा तीर्थ गुंशी पहुंचकर क्षेत्र पर मंदिर दर्शन के बाद भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के दर्शन लाभ कर आशीर्वाद प्राप्त किया । माताजी ने अपने आशीर्वचन में जैन विचारों के बारे में बताते हुए कहा कि जो अपनी इंद्रियों को वश में करे वो जैन है ' बस यात्रा द्वारा धर्म प्रभावना बढ़ाने के पदयात्रा संघ की प्रशंसा की एवं इस कार्य को निरंतर करते रहने का आशीर्वाद दिया ' पूज्य गुरुमाँ ने क्षेत्र में चल रही योजनाओं से अवगत कराते हुए अपनी चंचला लक्ष्मी को सत्कार्य में लगाने हेतु प्रेरित किया ' इस मौके पर क्षेत्र कमेटी की ओर से पदयात्रा संघ पदाधिकारियों का स्वागत व सम्मान किया गया। मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि 101 सदस्यीय धार्मिक यात्रा दल स्वस्तिधाम जहाजपुर पहुचा। रास्ते में स्वस्तिधाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजी ने जैन संस्कृति की प्रभावना के लिए धार्मिक यात्राओं को उपयोगी बताया। संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि स्वस्तिधाम जहाजपुर में मूलनायक भगवान मुनिसुव्रत नाथ के दर्शन लाभ प्राप्त कर महाआरती की गई। तत्पश्चात नीमच होते हुए रात्रि विश्राम के लिए मंदसौर (बही पार्श्वनाथ) पहुंचे। संयोजक सूर्य प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि शुक्रवार 26 जुलाई को प्रातः मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा की जाएगी। संयोजक सुरेश ठोलिया ने बताया कि यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर विज्ञा तीर्थ गुन्शी, जहाजपुर स्वस्तिधाम, मंदसौर बही पार्श्वनाथ, शीतल तीर्थ रतलाम, मानतुंगगिरी, बावनगजाजी, पावागिरी, सनावद, सिद्धवरकूट, इन्दौर, बनेडिया जी, गोम्मटगिरी, सुमतिनाथ धाम, पुष्पगिरी, मक्शी पारसनाथ, उज्जैन, महावीर तपोभूमि, सुस नेर, झालरापाटन, चांदखेडी, कोटा होता हुआ बुधवार,31 जुलाई को रात्रि में वापस जयपुर लौटेगा। मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा अर्चना,पर्वत वन्दना,साधु संतों के दर्शन लाभ एवं प्रवचन लाभ , धार्मिक एवं देशभक्ति पर आधारित मेरा भारत महान हाऊजी, धार्मिक आयोजन के साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

वेद ज्ञान

अहिंसा है भारत का धर्म

भारत धर्मपरायण देश है। यहां की मिट्टी के कण-कण में धर्म समाया हुआ है, लेकिन कौन-सा धर्म है वह? यह वह धर्म नहीं है, जो निर्दोष व्यक्तियों के प्राण लेता है। यह वह धर्म नहीं है, जो निरपराध व्यक्तियों के साथ अमानुषिक व्यवहार करता है। भारत का यह धर्म किसी को कष्ट देने वाला, किसी का शोषण करने वाला और किसी पर जबरन शासन करने वाला धर्म नहीं है। इस धर्म का पालन करते हुए न जाने कितने व्यक्ति ऐसे हुए हैं, जिन्होंने दूसरे व्यक्तियों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यही सच्चा धर्म है। यह इंसान को इंसान से जोड़ना सिखाता है, न कि तोड़ना। अहिंसा यही सिखाती है। जो अहिंसा के रास्ते से भटक गए हैं और जिनका मूलाधार क्षमा से विमुख हो गया है वे ही लोग आज दुनिया के सामने बड़ा संकट बनकर उपस्थित हो रहे हैं। इस संकट को दूर करने का एक ही रास्ता है- अहिंसा पर आस्था रखना, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अहिंसा का पालन करना और 'पर' यानी दूसरे को आत्मवत मानकर उसकी उसी तत्परता से रक्षा करना, जितनी हम अपनी करते हैं। मनुष्य के जीवित रहने के लिए जितनी प्राण-वायु आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक उसके जीवन के लिए अहिंसा है। वस्तुतः अहिंसा मानव-जीवन का अधिष्ठान है। जिसके जीवन में अहिंसा नहीं, वह जीवन एक प्रकार से निरर्थक है। अहिंसा से सामान्यतः माना जाता है किसी जीव की हत्या न करना। अहिंसा में यह तो निहित है ही, किंतु उसका अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। जीवन की कोई प्रवृत्ति ऐसी नहीं है, जिसमें अहिंसा का स्थान न हो। हमारे यहां अहिंसा और हिंसा का बहुत गहरा अर्थ किया गया है, किसी की भावना को आहत करना भी हिंसा माना गया है। हम अनावश्यक बोलते हैं तो उसमें हिंसा है। वस्तुतः सामर्थ्य होने पर व्यक्ति दूसरे को सताए नहीं, इसमें अहिंसा निहित है। अहिंसा के लिए व्यक्ति का क्षमाशील होना अत्यंत आवश्यक है। हम प्रायः अपराधी को दोषी ठहराते हैं, किंतु यदि हमें उसकी परिस्थिति का पूरा ज्ञान और भान हो सके तो हम उसके प्रति क्षमाशील ही हो सकते हैं। गांधीजी ने सत्य को परमेश्वर माना और कहा कि उससे साक्षात्कार करने का साधन अहिंसा है।

संपादकीय

विपक्ष का सरकार पर करारा हमला

हर बजटीय प्रावधान के पक्ष और विपक्ष में तर्क होते ही हैं। अक्सर विपक्ष उसकी खामियों को लेकर हमलावर नजर आता है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इसे सामान्य सिद्धांत मान कर सरकार बजटीय पक्षपात या असंतुलित प्रावधानों को सही ठहरा सकती है। इस बार के बजट को लेकर विपक्ष शुरू से ही हमलावर है। बुधवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष ने बाहर प्रदर्शन किया। चर्चा के दौरान दोनों सदनों में

हंगामा होता रहा। प्रश्नकाल में विपक्ष ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष की सबसे अधिक आपत्ति बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष आबंटन को लेकर है। उसका कहना है कि बाकी राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इसलिए कि सरकार को गठबंधन कायम रखने के लिए जद (एकी) और तेदेपा को खुश रखना बहुत जरूरी है। इस पक्षपातपूर्ण आबंटन से नब्बे फीसद देश बजट में गायब है। मगर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके जवाब में कहा कि सभी राज्यों को कुछ न कुछ दिया गया है, उनका उल्लेख भले बजट में अलग से नहीं किया गया। हालांकि बजट में विशेष रूप से किसानों, महिलाओं और युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, मगर उनके लिए भी बजटीय प्रावधान को विपक्ष संतोषजनक नहीं मान रहा। राजग सरकार के दो कार्यकाल निर्विघ्न रहे, उनमें विपक्ष एक तरह से गायब था, इसलिए बजट पर अपेक्षित बहसें नहीं हो पाती थीं। मगर इस बार विपक्ष मजबूत स्थिति में है और सरकार उसकी आलोचना से बच नहीं सकती। अभी बजट पर चर्चा के दौरान और भी अनेक बातें रेखांकित होंगी। मगर इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बजट पर गठबंधन के सहयोगी दलों का दबाव साफ नजर आता है। बिहार और आंध्र प्रदेश की जद (एक) और तेदेपा की राज्य सरकारें शुरू से विशेष दर्जे की मांग उठाती रही हैं। कयास तो यहां तक लगाए जा रहे थे कि अगर उन्हें विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला तो दोनों दल केंद्र सरकार का साथ छोड़ सकते हैं। मगर केंद्र ने उन्हें विशेष राज्य का दर्जा देने से साफ मना कर दिया। फिर बजट में उन्हें भारी-भरकम विशेष आर्थिक पैकेज दिया गया। इन दोनों राज्यों को बांट कर जब दो नए राज्य झारखंड और तेलंगाना बने, तो केंद्र ने इन्हें विशेष दर्जा देने का आश्वासन दिया था, मगर वह पूरा नहीं हो सका। इस लिहाज से इनकी दावेदारी वाजिब थी, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि बाकी राज्यों की वित्तीय स्थिति अच्छी है और वे अपने दम पर विकास कर सकते हैं। केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह सभी राज्यों को समान रूप से तरक्की के अवसर उपलब्ध कराए। हर राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि की सुविधाएं सृजित करे। मगर अक्सर देखा गया है कि केंद्र की हर सरकार राज्यों के लिए वित्तीय आबंटन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाती है। इसी के चलते अक्सर असंतोष और विरोध का स्वर उभरता है। केंद्र और राज्यों के बीच टकराव की स्थितियां बनती देखी जाती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शुचिता पर सवाल

प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के मामले उजागर होने से स्वाभाविक ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर सवाल उठते हैं। खासकर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए की ओर से कराई जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में पर्चाफोड़ से देश के लाखों विद्यार्थियों के विश्वास को धक्का पहुंचा है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें चिंतित भी हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसकी अधिसूचना पिछले माह जारी की गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ पर अंकुश लगाने के लिए हाल में नया कानून बनाया है। अब बिहार सरकार ने भी प्रदेश लोक परीक्षा (पीई) अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 विधानसभा में पारित किया है। दरअसल, बिहार सरकार ने इसकी तात्कालिक जरूरत इसलिए समझी, क्योंकि नीट-यूजी पर्चाफोड़ मामले के तार वहां से भी जुड़े हैं। कुछ अन्य राज्य भी इस तरह का कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा? नीट-यूजी पर्चाफोड़ के मामले में केंद्र सरकार ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। नया कानून लागू करने के साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई है और कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। मगर, क्या ये कदम छात्रों और अभिभावकों की परेशानी दूर करने के लिए काफी हैं? यह कवायद मात्र रोग के लक्षणों का उपचार करना है। मूल समस्या कहीं अधिक गहरी है और इसकी जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। प्रतियोगी

परीक्षाओं में कुशल प्रतिभाओं का चयन जरूरी है और यह तभी संभव होगा, जब इन परीक्षाओं की शुचिता कायम रखी जाएगी। हर महत्त्वपूर्ण संस्थान और एजंसी के कार्य तभी उत्तम स्तर के होंगे, जब सुयोग्य व्यक्तियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। साथ ही, परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने संबंधी कानूनों पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करना जरूरी है।

पुस्तक 'पानी और आग' का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति, प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने डॉ मालती गुप्ता , पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा लिखित कविता पर द्विभाषी पुस्तक ''पानी और आग'', इसी कविता का पोस्टर , उनके द्वारा निर्मित व निर्देशित, मूक एवं बधिर दिव्यांगजन के लिए वीडियो, तथा दृष्टिबाधित दिव्यांगजन के लिये ब्रेल लिपि में छपी कविता का विमोचन, वाराणसी में रहने वाली , एसिड बर्न सरवाइवर प्रोफेसर मंगला कपूर को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में किया। कार्यक्रम में डॉ मालती गुप्ता ने कहा कि तेजाब से जले हुए चेहरे वाले व्यक्ति के लिए ठीक होने के लिए जटिल ऑपरेशन्स के साथ ही मरीज के परिजनों का प्यार और लगातार साथ भी उतना ही आवश्यक है । उन्होंने कहा कि म्यूजिक थेरेपी भी इस तरह के मरीजों को ठीक होने में बहुत मददगार होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया की क्योंकि प्रोफेसर मंगला कपूर एक उच्च स्तरीय गायिका हैं, उनके संघर्ष से सफलतापूर्वक उभरने में उनकी इस कला का महत्वपूर्ण सहयोग मिला।

विधायक रामसहाय वर्मा का जैन समाज ने किया सम्मान

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आयोजित चातुर्मास वर्षायोग के तहत समारोह में विधायक रामसहाय वर्मा ने जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के समक्ष श्री फल चडाक र आशीर्वाद लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मंगल कलश कार्यक्रम में विधायक रामसहाय वर्मा शामिल होकर जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज को श्री फल चडाक र देश में खुशहाली की कामना की एवं आशीर्वाद लिया। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के पश्चात सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे विधायक रामसहाय वर्मा का राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा सुशील आरामशीन विष्णु बोहरा महेन्द्र चंवरिया मनोज पाटनी सुनील भाणजा हितेश छाबड़ा रामपाल चंवरिया विमल जौंला देवेन्द्र आण्डरा ताराचंद गोयल राकेश संधी हुकमचंद जैन पवन बोहरा हेमचंद संधी प्रतीक संधी अतुल ठोलिया मनन दतवास अजीत काला विमल भाणजा प्रेमचंद सोगानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरियाई कोख धरा की...इतराया सावन! ना पूछ सखी री...कैसा आया सावन!

साधना सोलंकी: स्वतंत्र पत्रकार

इस बार शिव के वार सोमवार से सावन फुहार बौराई है...बौराई इसलिए कि धरती के बदले मिजाज पर सावन भौंचक है ! धरा की कोख प्यासी है...हरियाने को जी भर मेघ की चाहत भी घोर है...तपन से धरती का हिया प्यासा है और मुंह फाड़े आसमां को ताक रहा है !

तब और अब !

पर...धरती को समझ नहीं आ रहा, सावन की मनुहार करे तो कैसे करे...पपड़ाए, दरके मुंह पर आषाढ़ बरस कर गया है...पर भीतर कोख तक पानी को सोखने के सारे जतन रुक गए हैं। कहीं बाढ़, कहीं सूखे और कहीं कुछ संतोष की इबारत है ! ऐसे में ना सावन दोषी, ना धरती... यह सारी गद्दारी तो मानव की है... ! बहरहाल इस रुदन को विराम दे ...पहले सावन का स्वागत लोक गीत मलहार, हिंडोलों से करें !

परंपरा स्वागत की !

सावन अब अतिथि है। और यह हमारी परंपरा रही है कि घर में कैसी भी कंगाली रही हो...अतिथि का स्वागत तो चकाचक होना ही चाहिए ! जिन गिनेचुने मेजबानों में महंगा घेवर परोसने की कूव्वत है, वे करें सावन की मेजबानी... शेष किस्से सुनकर संतोष कर लेंगे !

अहा...वे झूले और वह सावन की छोकरी !

नीम, बरगद पर पड़े ...ऊंची पींगे भरते वे हिंडोले अब बामुश्किल ही नजर आते हैं...पर जब नजर आते हैं तो चेहरा खिलखिला जाता है। मोर, पपीहे, दादुर के सुर मन मयूर को नचा जाते हैं...अभी मेरे मित्र ने पंजाब के किसी गाँव से गुजरते उस लाल मखमली गुड़िया की तसवीर भेजी तो जैसे सावन का उपहार मिल गया...

तात्पर्य यह कि सावन को लौटा लाने के लिए मां धरती की सेहत सुधारनी तो होगी... तभी तो सावन है !

सावन और धर्म मान्यताएं

मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव कृपा प्राप्त की थी। भगवान शिव सावन में पृथ्वी पर अवतरित हो ससुराल गए थे। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय माना गया है। सावन माह में ही समुद्र मंथन किया गया था। जो हलाहल विष निकला, उसे शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की और महादेव का कंठ नीलवर्ण हो गया और उनका नाम 'नीलकंठ ! विष प्रभाव को कम करने के लिए देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया, इसीलिए इस माह शिव पूजा का खास महत्व है। सावन में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। तब सृष्टि संचालन का उत्तरदायित्व शिव ग्रहण करते हैं।

सावन की छोकरी...

भूले भटके जो कहीं
मुलाकात हो जाए...
हथेली पर बिठा लेना...
और ले लेना तसवीर
सहेजने को यादों में...
उसके जीने लायक...
अब नहीं रही धरती...
नहीं झेल पाती धरा
अब सावन की
मखमली तीज का
वजूद...
बहुत याद आती है...
वह मखमली गुड़िया...
राम की डोकरी
सावन की छोकरी !

संकलन :
राकेश शर्मा 'राजदीप'

गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी ससंघ के सानिध्य में 16 दिवसीय 'गणधर वलय स्तोत्र' सेमिनार का हुआ शुभारंभ

एटा ।जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों के गणधरों की स्तुति,स्तोत्र और और उनके गुणों की आराधना करने हेतु एक भव्य सेमिनार 25 जुलाई दिन गुरुवार को ठंडी सड़क स्थित ग्रीन गार्डन में ''मां विशुद्धमती सभागार'' में 16 दिवसीय गणधर वलय स्तोत्र सेमिनार का शुभारंभ हुआ।पुरानी बस्ती स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर जी मे विराजमान ग्वालियर तिलक गणिनी आर्यिका105 श्री विशुद्धमती माताजी एवं प्रज्ञा पद्मिनी पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विज्ञमती माताजी ₹सेमिनार संयोजिका₹ के चरणों में श्रीफल समर्पित कर ग्रीन गार्डन में आने हेतु निवेदन किया। जानकारी देते हुए बबीता जैन एटा ने बताया कि गणिनी माता जी की जन्मभूमि ग्वालियर से पधारे कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि वीरेंद्र जैन गंगवार ध्वजारोहण किया एवम विमल जैन पूजा जैन सिंघई, आगरा के श्रेष्ठी सुरेश जैन माया जैन, मनीष जैन वंदना जैन, नित्य जैन ने मंच का लोकार्पण करके कार्यक्रम को गति प्रदान की, गणधर कलश की स्थापना पदम जैन गार्ड शोभा जैन,व मोहित जैन सोनल जैन, श्रुतस्कन्ध यंत्र स्थापना, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन,रजत अर्घ एवं रजत पुष्प सर्मपित आदि के पश्चात रत्नत्रय चंद्रिका गणिनी आर्यिका श्री विशुद्धमती माता जी ने श्रावकों को बताया कि तीर्थंकरों की सभा में ऋद्धि धारी मुनि उपस्थित रहते हैं 'गण' के नायक है गण के ईश है वो गणधर हैं इन्हें जैनों का गणेश भी कहते हैं,गणधर के अभाव में तीर्थंकर की वाणी नहीं खिरती है ऐसे महान विभूति के महा प्रभावक स्तोत्र की महिमा का बखान सेमिनार संयोजिका पट्ट गणिनी आर्यिका श्री विज्ञमती माताजी के मुखारविंद से स्तोत्र,अमृत मयी ऋद्धि मंत्रों से गणधर स्वामी का गुणानुवाद करना सेमिनार्थी सीखेंगे।इस अवसर पर ग्वालियर के श्रेष्ठी पदम जैन गार्ड को समाज रत्न की उपाधि प्रदान की गयी। सेमिनार आयोजक विशुद्ध भक्त परिवार के नितिन जैन, आनन्द ज्वैलर्स,विजय अंबा सरिया,गजेन्द्र जैन, अनिल जैन, प्रदीप जैन,योगेश जैन, पंकज जैन, संजय जैन, सौरभ गुड्डा, जाजू जैन,नरेंद्र जैन, गौरव जैन,डा०शैलेन्द्र जैन, श्रमती बबिता जैन प्रेरणा,चिंकी जैन,पूनम जैन, सुनीता जैन, मंजू जैन, साधना जैन, मधू जैन, अंजना जैन सहित सैकड़ों की संख्या में सेमिनार्थी मां विशुद्ध सभागार में उपस्थित थे। संगीतकार केशव एंड पार्टी भोपाल की सुमधुर स्वरलहरियों पर श्रावकों ने खूब गुरु भक्ति की, मंच की निरीक्षण व्यवस्था दिगंबर जैन वीर मंडल द्वारा की गयी। आध्यात्म विशुद्ध वर्षा योग समिति एटा के मीडिया प्रभारी सुनील जैन बांदा ने बताया कि एटा के इतिहास में प्रथम बार होने जा रहे इस सेमिनार में महिला, पुरुष, वृद्ध जन, बच्चों सहित करीब 500 सेमिनार्थी मौजूद थे। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

देशभक्ति सॉन्ग "गर्व मेरा भारत" को लेकर हुई प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर के संयोजन में देश की गौरवमयी सभ्यता को समेटे हुए गत वर्ष लॉन्च हुए ''गर्व मेरा भारत'' गीत के निमार्ता, निदेशक जयपुर निवासी महावीर कुमार सोनी एवं मिताली सोनी द्वारा इस सॉन्ग को लेकर आज एक सुंदर प्रस्तुति की गई, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेयरमैन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर जितेंद्र श्रीमाली रहे। सेंट्रल पार्क में हुए इस कार्यक्रम के विषय से अवगत कराते हुए समाजसेविका मनीषा जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व गुरु के सपने को साकार करते हुए भारत की सम्पूर्ण धरोहर व इसकी गौरवमयी सभ्यता को बहुत खूबसूरती से इसे इस गीत के माध्यम से दशार्या गया है। फिल्मकार मिताली सोनी ने बताया कि आज अब तक इस सॉन्ग को लेकर बहुत से लोग वीडियोज व रील बना चुके हैं, आगे भी इस सॉन्ग पर कोई भी विडियोज बनाने के इच्छुक हो तो वो यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि से म्यूजिक ले सकते है। इस प्रकार हम उन्हें आमंत्रित करेंगे और हम भी उस कार्यक्रम में शामिल होने का प्रयास करेंगे।

जैन धर्म आचार प्रधान धर्म है : भावलिंगी संत विमर्श सागर जी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। कृष्णा नगर जैन मंदिर में चल रहा जैन संत आचार्य विमर्श सागर जी का चातुर्मास इस दौरान आचार्य विमर्श सागर जी ने अपने प्रवचन के माध्यम से समाज को धर्म की महानता को बताते हुए कहा की जो धर्म के मार्ग पर चलता है वह अपने मार्ग में फूल बिछाते जाते हैं जो अधर्म के मार्ग पर चलता है वह अपने मार्ग में कांटे बिछाता जाता है जब तक वीतराग चरित्र को जीव धारण नहीं करता तब तक लौट कर इस मार्ग पर आना पड़ता है अगर आप अधर्म का आश्रय लेते हैं तो पुनः जब उसे मार्ग पर लोट कर आएंगे तो राह में कांटे प्राप्त होंगे दुख और प्रतिकूलताएं प्राप्त होगी और अगर आप धर्म मार्ग का आश्रय करते हैं तो अपना इस मार्ग पर आने पर आपको फूल ही फूल राहों में बिछे मिलेंगे अर्थात आपको पग पग पर अनुकूलता है एवं सफलताएं प्राप्त होगी। जैन कुल में जन्म लेना सुंदर, स्वस्थ शरीर का प्राप्त होना यह पूर्व के पुण्योदय से प्राप्त हुए हैं अब आप इन अनुकूलताओं का कितना लाभ ले पा रहे हैं यह चिंतन का विषय है जैन कुल में जन्म लेने के बाद श्रावक कुल में जन्म लेने के बाद श्रावक के योग्य आवश्यक मूल कर्तव्य दान और पूजा करना इस कुल की इस पर्याय की सार्थकता है। आचार्य श्री विमर्श सागर जी ने कहा कि जब सुबह आंखें खुलें तो सिर्फ परमात्मा का स्मरण हो परमात्मा के प्रति धन्यता के भाव भरे हो की प्रभु आपके प्रसाद से आज मुझे पुनः जीवन प्राप्त हुआ है मैं सर्वप्रथम अब आपका दर्शन पूजन अभिषेक करूंगा। अपने प्रयोजन के अनुसार ही हमारी क्रिया का फल प्राप्त होता है प्रयोजन अगर पाप का है तो शुभ क्रिया भी पाप का बंद करती हैं और यदि प्रयोजन पुण्य का हो तो अशुभ क्रिया भी पुण्य का कारण बनेगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

कुलचाराम हैदराबाद। अपनी अच्छाइयों पर इतना भरोसा रखो कि जो तुम्हें खोयेगा वो यकीनन जिन्दगी भर रोयेगा..

जिंदगी में तीन मित्र हैं: पहला मित्र ज्ञान, दूसरा धन और तीसरा विश्वास। तीनों सदा एक साथ ही रहते हैं। एक समय ऐसा आया कि तीनों को अलग अलग होना पड़ा। जब अलग अलग हुए तो तीनों ने अपनी अपनी बात कही। ज्ञान ने कहा -हम अपनों से स्कूल, सत्संग में ही मिलेंगे। धन ने कहा - मैं धन पतियों के पास मिलूंगा। विश्वास दोनों की वार्ता सुन रहा था। कुछ समय मौन रहा। धन ने कहा - विश्वास भाई आप भी कुछ बोलो- ? तब विश्वास ने रोते हुए कहा - एक बार चला गया तो फिर जिंदगी भर नहीं मिलूंगा। प्रकृति में विवेक हो, वृत्ति में विचार, सद्भाव हो और व्यक्ति के व्यक्तित्व में विश्वास हो। आज इंसान ने धन खूब कमाया। ज्ञान का अर्जन भी किया। परंतु विश्वास को खो दिया। इंसान को संसार पर, परिवार पर, व्यापार पर, डॉक्टर पर, ड्राइवर पर, तो विश्वास है। पर धर्म पर, शास्त्र पर, गुरुओं पर, विश्वास नहीं है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

अखिल भारतीय धर्म जागृति संस्थान के राजस्थान प्रान्त के अध्यक्ष पदम बिलाला का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय धर्म जागृति संस्थान के राजस्थान प्रान्त के अध्यक्ष एवं दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष पदम बिलाला को परम पूज्य अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महा मुनिराज के द्वारा पावन वर्षायोग मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में फिरोजाबाद की पावन धरा पर आचार्य श्री शांति सागर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बिलाला आचार्य द्वारा प्रणीत अहिंसक आहार वर्ष का कार्य भी पूरे मनोयोग से संपादित कर धर्म प्रभावना कर रहे हैं। टोंक रोड जयपुर जैन मंदिर समिति का संयोजन भी बिलाला जी के द्वारा किया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में आज मंदिर की कार्यकारिणी और सदस्यों की और से बिलाला का भव्य सम्मान किया गया जिसमें मंत्री देवेंद्र कासलीवाल, कोषाध्यक्ष सौभाग अजमेरा, राजेन्द्र ठोलिया, अमित शाह, मयंक, नवीन, महेश काला, जिनेन्द्र श्रीमाल, डॉ इन्द्र कुमार जैन, सुरेश शाह, ताराचंद गोधा महिला मंडल एवं युवा मंडल के सदस्य आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पदम बिलाला ने हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

मनोज सोगनीं पुनः ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष चुने गये

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी ट्रैवल एसोसिएशन (टाई) ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर के 2024 -26 के संपन्न हुए चुनावों में मनोज सोगनीं भारी अंतर से जीत कर एक बार पुना अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। मनोज सोगानी ट्रैवल एक्सपर्ट और ट्रैवल प्रोफेशनल हैं जिन्हें इस व्यवसाय में करीब 40 साल का अनुभव है। और उनके इस अनुभव और कार्य कुशलता को देखते हुए कई संगठन उन्हें अपने से जोड़े रखते हैं जिनमें विभिन्न एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी , एयर लाईनस कमेटी और वीसा कमेटियाँ प्रमुख रूप से शामिल है। दशरथ सिंह राठौठ सचिव और अरविंद पारिक कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किये गये।

ट्री गार्ड के साथ किया वृक्षारोपण, पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। लघु उद्योग भारती और गायत्री नगर निवासियों के सहयोग से गायत्री नगर मुख्य रोड पर नगर परिषद सभापति नरेश कनोजिया के मुख्य आतिथ्य में 50 छायादार वृक्ष ट्री गार्ड सहित लगाए गए। विभिन्न प्रजातियों के छायादार पौधे रोप कर उनकी देखभाल करने का उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया। सभापति ने इस अवसर पर मनुष्य के जीवन में वृक्षों की महत्ता बताते हुए कहा कि पेड हमारे जीवन में सबसे अहम भूमिका निभाते है, इसीलिए सभी नागरिकों को हर वर्ष वृक्षारोपण करना चाहिए, जिससे हमें शुद्ध वातावरण मिल सके। इस अवसर पर सभी ने पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण पर जोर दिया। वृक्षारोपण से ही जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से बचा जा सकेगा और पर्यावरण में भी महत्वपूर्ण सुधार होगा। इस कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति नरेश कनौजिया, पूर्व उपसभापति सुनील मूंदड़ा, पार्षद भूपेंद्रजीत भोजक, पार्षद हरीश सांखला, मोहम्मद हारून, मुकेश पारीक, विनोद धीमान, भागचंद चौहान, नरेंद्र पारीक, मोहम्मद फारुख उपस्थित थे । साथ ही प्रकल्प प्रभारी रवि झंवर, मनीष दरक, अभिनव मूंदड़ा सहित लघु उद्योग भारती से दीपक झंवर, प्रकाश अम्बुरे, अजय खंडेलवाल, सचिन नाहर, विजय मेहता, सुनील ईनाणी आदि कई सदस्यगण उपस्थित हुए।

चातुर्मास स्थापना पर विशेष

आत्महित का साधन बने चातुर्मास

वर्तमान युग की जो आध्यात्मिक शक्तियां हैं, चाहे वह किसी भी धर्म के मानने वालों की हों , वह दिगंबर जैन मुनियों को अत्यंत श्रद्धा और आस्था से देखती हैं। इसका कारण उनके वैराग्यमयी जीवन में त्याग की उत्कृष्ट भावना है। जो व्यक्ति संसार, शरीर और भोगों से विरक्त हो जाते हैं, वे त्याग मार्ग अपनाते हैं। जैन धर्म त्याग प्रधान धर्म है। दिगंबर जैन मुनि तिल, तुष मात्र भी परिग्रह नहीं रखते। जो परिग्रह रखते हैं, उन्हें व्यक्ति साधु जीवन का सम्मान तो देता है परंतु उनके त्यागमय जीवन की प्रशंसा में संकोच करता है। इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति यह मानता है कि दिगंबर मुनिराजों का जीवन ही त्याग की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ है उनके पास मात्र तीन उपकरण होते हैं। पीछी, कमण्डलु और शास्त्र। इन तीनों के अलावा कोई भी वस्तु उनके लिए अनुपयोगी है। इसलिए वस्त्र त्याग कर वे तपस्या में रत रहते हैं। ज्ञान, ध्यान और तप में लीन हो जाना उनका स्वभाव बन जाता है। लोक में यह प्रसिद्ध है कि सर्व परिग्रह का त्याग करने वाले साधु ही आत्मज्ञान में लीन रह सकते हैं। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का यदि भारत वर्ष ही नहीं, विदेशों में बसे समस्त समाज के लोग भी सम्मान करते और श्रद्धा रखते थे तो इसका कारण जिनागम के प्रति अटूट आस्था तथा जिनधर्म के प्रति समर्पण भाव था वे कुगुरु, कुदेव, कुधर्म में विश्वास न रख कर सच्चे देव शास्त्र और गुरुओं में विश्वास रखते थे। उनका विश्वास था कि आत्मा के कल्याण के लिए रत्नत्रय अर्थात सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यग्चारित्र के मार्ग पर चलकर ही हम मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। संपूर्ण बंधनों से मुक्त हो सकते हैं, इसलिए वह पंचमकाल की परवाह न करते हुए सच्चे त्याग मार्ग पर चलते थे चर्या से भी वे सच्चे देव, शास्त्र और गुरुओं के प्रति समर्पित रहे और व्यक्ति उनके आशीर्वाद को जीवन की सबसे बड़ी सफलता बताते रहे। आज भी कई साधु ऐसे है जो अनेक लोगों को त्याग मार्ग पर लगाकर जिनधर्म के अनुरूप बना रहे हैं। साधुगण जैन धर्म में वर्णित चातुर्मास के अनुरूप कार्य करें। जीवों की विराधना और हिंसा से बचें, यह सभी के लिए उचित है। इस वर्ष 21 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो गये है। पैदल विहार कर आठ माह तक धर्म प्रभावना करने वाले साधुगण एक स्थान पर रहकर चातुर्मास करेंगे। चातुर्मास में व्यक्ति का आचरण धर्मानुरूप बने, अधर्मी , धर्म मार्ग में लगें, त्याग के महत्व को समझें, उनका जीवन सदकार्यों के लिए समर्पित रहे, सच्चे देव, शास्त्र और गुरुओं की व्याख्या पंथवाद में न फँसे, श्रावक द्रव्य पूजा के अंतर्गत अष्ट द्रव्य से पूजा करें तथा साधु भाव पूजा ही करें, इसी का प्रचार धर्म सम्मत है। एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए चातुर्मास में बनाये गये मंचों का उपयोग न करें ऐसी भावना सभी की होनी चाहिए। साधुगण चातुर्मास के धर्मोपदेश में प्रथमानुयोग के दृष्टांतों का उल्लेख कर धर्म की शुरूआत करते हुए करणानुयोग, चरणानुयोग और द्रव्यानुयोग का उपयोग कर धर्मोपदेश दें, ऐसे प्रयास होने चाहिए। व्यर्थ का प्रदर्शन न हो इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। आज की स्थिति में देखें तो कई साधुओं की अगवानी में विशाल जुलूस निकालकर बाहरी संसाधनों के प्रदर्शन से उनके प्रभाव को प्रदर्शित किया जाता है। कई व्यक्ति ऐसे साधु चाहते हैं जिनसे दान के माध्यम से लाखों की आमदनी हो और मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण हो। दूसरी तरफ यह स्थिति है कि अनेक साधु साध्वियों

को चातुर्मास करने में भी दिक्कत आती है। कई साधु तेरा -बीस पंथ की भावना से ग्रसित होकर विवादास्पद क्रिया - कलापों को प्राथमिकता देते हैं। अतः इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी धर्मोपदेश से सामाजिक जीवन की एकता प्रभावित न हो तथा व्यक्ति जिन पूजा और दान के महत्व को समझकर कार्य करें, स्वाध्याय में रुचि बने, ऐसे प्रयास करना चाहिए। ताकि चातुर्मास व्यक्ति के आत्महित का साधन बने।

डॉ नरेन्द्र जैन भारती
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक
सनावद जिला खरगोन म. प्र.

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने वृक्षारोपण कर व मुनिश्री से आशीर्वाद लेकर मनाया

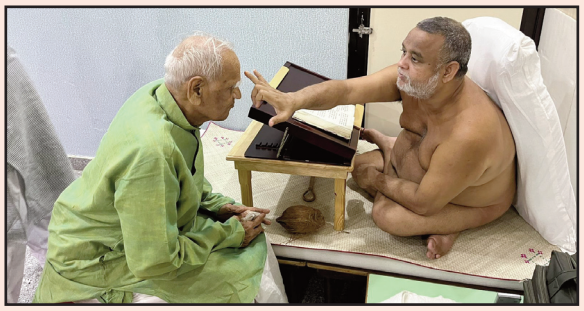

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने अपना जन्मदिन सुबह पारसनाथ चूल गिरी पर अभिषेक ,पूजन व वृक्षारोपण कर मनाया। उल्लेखनीय हैं कि वे चूल गिरी के संरक्षक भी हैं। इसके बाद उन्होंने खोल के हनुमान जी के दर्शन किए, जहाँ की कमेटी ने उनके जन्मदिन पर शॉल और माला पहनाकर उनका अभिवादन किया। इसके बाद वे मोती डूंगरी स्थित गणेश जी के मंदिर दर्शन करने गए तत्पश्चात वहाँ से वे आचार्य श्री 108 उज्जैन सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा के 95वें जन्म दिवस पर उनकी 97 वर्षीय बहन उमराव देवी पाटनी ने भी उन्हें आशीर्वाद दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दुर्गापुरा में 37वे पावन वर्षायोग 2024 पर मंगल कलश स्थापना का आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में गुरुवार दिनांक 25.07.2024 को दिन में 1.15 बजे से संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ का 37वां पावन वर्षायोग 2024 मंगल कलश स्थापना का आयोजन बड़े भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। चातुर्मास संयोजक कमल छाबड़ा वन्दना जैन ने बताया कि सर्व प्रथम ध्वजारोहण जी.सी.जैन श्रीमती विशल्या देवी जैन ने किया। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन श्री 1008 चन्द्रप्रभजी जी भगवान के चित्र के समक्ष पवन कुमार जैन - श्रीमती गुणमाला जैन,आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन बाहर से पधारे अतिथियों द्वारा किया गया। मंगलाचरण की सुन्दर प्रस्तुति इतिश्री काला, छवि पांड्या एवं रूचि जैन ने दी। भोजन पुण्यार्जक परिवार पंडित गुलाब चन्द जी जैन, गंगवाल परिवार थे। आगंतुक अतिथियों का, विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारी व श्रेष्ठीजन एवं पुण्यार्जक परिवारजन का सम्मान ट्रस्ट एवं महिला मण्डल के सदस्यों ने किया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर मुनि संघ को श्रीफल भेंट किया। पाद प्रक्षालन अनिल कुमार लुहाड़िया सिकन्दरा वाले, शास्त्र भेंट स्वर्गीय श्री छोटे लाल जी प्रकाशी देवी पांड्या खोरा वाले परिवार ने किया। मुनि श्री की आरती श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया मंत्री रानी सोगानी एवं समस्त कार्यकारिणी ने की। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि चातुर्मास कलश माणक चन्द कमल छाबड़ा ने, मंगलकलश पारस कुमार मनीष जी जैन माधोराजपुरा वाले, शांतिकलश हीराचन्द आशा जैन, ज्ञानकलश श्रीमती अनूप देवी , शिखर चंद कासलीवाल , विद्याकलश कमल काला कीर्ती नगर ने लेकर पुण्यार्जन प्राप्त किया। ताराचन्द कमला देवी जैन काला परिवार चन्दलाई वाले ने चातुर्मास में सहयोग प्रदान किया। विधानाचार्य पंडित अजीत जैन ने अष्ट द्रव्य से आचार्य श्री विद्या सागर जी, आचार्य समय सागर जी, मुनि श्री पावन सागर जी की महिला मण्डल व ट्रस्ट ने बड़े भक्ति भाव से पूजन की। परम पूज्य मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज के प्रवचन हुए। अंत में जिनवाणी स्तुति हुई।

आपके जीवन की दशा और दिशा बदलने आया हूं :आचार्य शशांक सागर जी

वास्तु विधान के पश्चात भाग्योदय कलश की स्थापना की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में इस वर्ष होने वाले चातुर्मास के लिए परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज एवम मुनि श्री संदेश सागर जी महाराज का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश विशाल जुलूस के रूप में हुआ। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि भक्तगण जैन धर्म के मधुर भजनों पर नाचते गाते हुए उत्साह पूर्वक पूज्य गुरुवरों के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। जुलूस का समापन श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर की पावन धरा पर समाज एवं मानसरोवर महिला मंडल द्वारा किए गए अभूतपूर्व स्वागत से हुआ इस अवसर पर विशाल धर्म सभा का आयोजन किया गया। उपस्थित जन समुदाय को परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवेश के पावन अवसर पर दिए गए प्रथम आशीर्वाद में कहां की मानसरोवर की पावन धरा पर पूर्व में मेरा आगमन कई बार हुआ है लेकिन यह भगवान महावीर का बनाया हुआ संयोग है कि मेरा 24वां चातुर्मास 24 में तीर्थंकर की शरण में होने जा रहा है मैं आपसे कुछ लेने नहीं आया हूं बल्कि विगत 24 वर्षों में मैंने अपनी साधना से जो भी हासिल किया है उसे मेरे

मानसरोवर के सभी भक्तों में बांटने आया हूं। इसलिए आप सबसे निवेदन है कि इस चातुर्मास को मेरा नहीं समाज का चातुर्मास समझे यह आपके जीवन को आत्मसात करने का आपके जीवन के कल कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करने वाला चातुर्मास होगा। कार्यक्रम संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव के मंगल प्रवेश के पश्चात धर्म सभा का विधिवत्त शुभारंभ मंगलाचरण के माध्यम से करने का सौभाग्य वीरेश जैन टीटी को प्राप्त हुआ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण करने का सौभाग्य श्रीमती कृष्णा अनंत अंजना जैन द्वारा किया गया भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य अक्षय आशा गोधा परिवार को प्राप्त हुआ पूज्य गुरुदेव का पांच पक्षालन करने का सौभाग्य अशोक श्रीमती रेणु अभिनव अरुण श्रीमती मधु लता जैन शास्त्र भेंट श्रीमती नीलम शैलेंद्र माधुरी जैन को प्राप्त हुआ गुरुदेव को अर्घ समर्पित करने का सौभाग्य श्रीपाल सरोज प्रदीप सरिता सौरभ खुशबू जैन परिवार को प्राप्त हुआ। कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव श्याम नगर से बिहार कर कावेरी पथ पहुंचे कावेरी पथ से विशाल शोभा यात्रा के साथ विभिन्न मार्गो से होते हुए गुरुदेव वरुण पथ मंदिर पहुंचे इस बीच लगभग 108 परिवारों ने पूज्य गुरुदेव की मंगल आरती एवं पादप चालान करने का सौभाग्य प्राप्त किया। मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि धर्म सभा में जयपुर जैन समाज के सैकड़ो लोगों ने शिरकत की जिसमें मुख्य रूप से हीरापथ समाज के अध्यक्ष सुभाष जैन झोटवाड़ा समाज के अध्यक्ष धीरज पाटनी निर्मल पांड्या राजीव पाटनी प्रेमचंद बड़जात्या राजेश चौधरी जयकुमार जैन एवं पधारे हुए सभी भक्तों का स्वागत करने का अवसर एमपी जैन राजेंद्र सोनी कैलाश सेठी ज्ञान बिलाला ताराचंद है अरविंद गंगवाल अनिल दीवान मुकेश कासलीबाल सुरेश जैन बांदीकुई वाले जेके जैन संतोष कासलीवाल सतीश कांसलीवाल पदमचंद जैन भरतपुर वाले अजीत जैन बी ओ बी श्रीमती अर्चना सोनी श्रीमती प्रीति सोगानी श्रीमती अंजू जैन श्रीमती सुशीला टोंग्या हिमानी जैन श्रीमती मंजू कासलीवाल हीरामणि जैन को प्राप्त हुआ।

सिल्वर जुबली वर्ष के जश्न के साथ पिकनिक मनाएंगे महावीर स्कूल के पूर्व छात्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुविख्यात महावीर स्कूल के पूर्व छात्रों की संस्था महावीर स्कूल ऐलूमनी ऐसोसियेशन के तत्वावधान में स्कूल के पूर्व छात्रों के साथ सिल्वर जुबली वर्ष में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत पिकनिक के आयोजन के साथ रविवार दिनांक 28 जुलाई, 2024 को ज्ञानजी अद्वैता, 353, सिरसी रोड़, जयपुर में की जा रही है जिसमें पूर्व छात्र सिल्वर जुबली का जश्न मानयेगें ।ऐलूमनी ऐसोसियेशन के मानद सचिव सी.ए. सुनील जैन ने बताया कि सिल्वर जुबली वर्ष पिकनिक में पूर्व छात्र पिकनिक स्थल पर स्वादिष्ट व्यंजन का आनन्द उठायेगें एवं बचपन की मस्ती व यादें, लाईव म्यूजिक, डॉस, गेम, सेल्फी प्रतियोगिता व प्राईज सहित अन्य मनोरंजन रहेंगे । ऐलूमनी ऐसोसियेशन के चेयरमेन अखिलेश कुमार जैन ने बताया कि पिकनिक में स्कूल के पूर्व छात्र व बालीवुड के ख्यातीमान पार्श्व गायक रविन्द्र उपाध्याय अपनी प्रस्तुति पेश कर कार्यक्रम को डांस व म्यूजिक की मस्ती से सरोबार करेंगे। पिकनीक के संयोजक रोहित सांड ने बताया कि पिकनिक में भाग लेने के लिये सम्पूर्ण देश से कई ऑईकोनीक (प्रतिष्टित) पूर्वछात्र शामिल हो रहे है। जिनमें राजस्थान सरकार के राजस्व विभाग के केबिनेट मंत्री हेमन्त गीणा, जयपुर के पूर्व सांसद व स्कूल के पूर्व छात्र रामवरण बोहरा, उडीसा के सबसे बड़े कॉरपोरेट ग्रुप के. जे. एस ग्रुप के चेयरमेन प्रशान्त आहलूवालिया, दिल्ली के लोकपाल डी के जैन, स्कूल ऐलूमनी एसोसिऐशन के संस्थापक चेयरमेन एन के सेठी, जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत करणावट, राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता, पूर्व आई.पी.एस. एवं डी.जी.पी. तमिलनाडु एस.पी. माथुर एवं पूर्व आई.पी.एस. व डी. जी. मेघालाय अतुल माथुर आदि प्रमुख है। ऐलूमनी ऐसोसियेशन के कोषाध्यक्षक नितीन शर्मा द्वारा प्रतिष्टि पूर्व छात्रों के समन्वयन का कार्य बखूबी सम्पादित किया जा रहा है। पिकनीक के समन्वयक राजकुमार तालुका ने बताया कि पिकनिक को ऐतिहासिक बनाने के लिये सम्पूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गई है तथा उन्होने आह्वान किया कि पिकनीक में पूर्व छात्र अपनी सम्पूर्ण परिवार व सभी जनरेशन को लेकर आये । पिकनिक में होने वाली गतिविधियों का संचालन व प्रतिभागीयों का पंजीयन पिकनिक के उप संयोजक हर्षवर्धन सिंह, संजीव पाटनी व पंकज झांझरी द्वारा किया जा रहा है, पिकनिक स्थल की साज-सज्जा की सुन्दर व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जा रही है। कार्यक्रम में साधारण शुल्क के साथ पंजीयन की अन्तिम तिथि 26.07.2024 है।

महिला जागृति संघ जयपुर के 135 सदस्यों का दल अयोध्या यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ जयपुर के 135 सदस्यों का दल गांधीनगर स्टेशन से अयोध्या यात्रा के लिए रवाना हुआ। संघ का नेतृत्व संघपति शशि जैन, उपाध्यक्ष शारदा सोनी, राजकुमारी सोगानी, मंत्री बेला जैन, संयुक्त मंत्री साधना जैन, निर्मला जैन कर रही है। संघपति शशि जैन ने बताया कि यह दल अयोध्या, श्रावस्ती ,वाराणसी व अन्य धार्मिक व दर्शनीय स्थलों के दर्शन व भ्रमण करेगा। संघ को जयपुर गांधीनगर स्टेशन से दिगंबर जैन महा समिति के विशिष्ट सदस्य नरेंद्र जैन बाकलीवाल ने झंडा दिखाकर ट्रेन से रवाना किया, उससे पूर्व श्री जैन द्वारा संघपति जी का दुपट्टा पहनाकर इस शुभ कार्य हेतु स्वागत किया गया।

अगर आपके लीवर में सूजन या फैटी हो गया है तो आपको क्या करना चाहिए?

सबसे पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए और उनसे सलाह लेनी चाहिए कि कौन सी आयुर्वेदिक दवा सबसे उपयुक्त हो सकती है। लीवर सम्बंधित समस्याओं को ठीक करने के लिए कई आयुर्वेदिक दवाएं होती हैं जैसे-

भूम्यामलकी चूर्ण

इस चूर्ण को नीबू रस या दूध के साथ लेना चाहिए।यह लीवर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

आमला

आमला में विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं जो लीवर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

कुटकी

कुटकी को लीवर सम्बंधित समस्याओं को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है।

पुनर्नवा

यह एक प्राकृतिक औषधि है जो लीवर को स्वस्थ रखने में मदद करती है।

शंख भस्म

यह लीवर सम्बंधित समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है और आपके लीवर को स्वस्थ रखता है। यदि आपको लीवर में सूजन या फैटी लीवर होने की समस्या है, तो आपको अपने चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। आयुर्वेद में कुछ दवाओं का उपयोग किया जाता है जो इन समस्याओं के लिए सम्मत हो सकते हैं, लेकिन किसी भी दवा का उपयोग करने से पहले चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी है। लीवर संबंधी समस्याओं के लिए कुछ आयुर्वेदिक दवाएं हैं जैसे कि लिवोलाक, लिव 52, आरोग्यवर्धिनी,पुनर्नवा मंडूर, भूम्यामलकी, कालमेघ ,यव क्षार , लिव क्योर, पांडुघन चूर्ण आदि। इनमें से लिव 52 डीएस एक लोकप्रिय और सुरक्षित दवा है जिसका लीवर समस्याओं के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, लीवर समस्याओं को ठीक करने के लिए आहार , शुद्ध जल और जीवन शैली में परिवर्तन भी आवश्यक होते हैं। फिर भी, मैं चाहूंगा कि यदि आपको लीवर संबंधी किसी भी समस्या है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए और वहाँ उपयुक्त दवाओं का उपयोग करना चाहिए।

डा. पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर।
9828011871